मुख्यमंत्री ने बदली गोमती की तस्वीर

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की राजधानी की खूबसूरती में एक और चाँद लगाने के लिए गोमती रिवर फ्रंट डेवलपमेंट परियोजना तैयार की है। इसके तहत गोमती नदी के किनारे पर हर उम्र के नागरिकों के लिए विभिन्न आकर्षण स्थल विकसित किए जा रहे हैं। इनमें खाने पीने व शॉपिंग से लेकर खेल तथा नदी और जंगल से जुडे कई आकर्षक स्थानों का निर्माण किया जा रहा है। यह परियोजना गोमती बैराज से लेकर ला-मार्टीनियर बंधे तक निर्मित की जा रही है। इन कार्यों की रूपरेखा प्रदेश सरकार ने जारी कर दी है, और इसके ही अनुरूप यह परियोजना इसी वर्ष पूरी हो जाएगी।

शीघ्र ही तैयार हो जाऐंगे गोमती रिवरफ्रन्ट के पार्क

गोमती के तट पर जल्द ही आप सैर कर सकेंगे। सिंचाई विभाग द्वारा हनुमान सेतु से लामार्ट्स कॉलेज तक नदी के दोनों तरफ सौंदर्यीकरण का काम पूरा कराया जा रहा है। इसके तहत नदी के दोनों किनारों पर एलईडी लाईटिंग और पौधारोपण का काम पूरा कर लिया गया है। घास लगाने के साथ ही वाई-फाई की सुविधा भी शुरू कर दी जाएगी। रात में गोमती नदी के तट पर कलरफुल लाईट्स के बीच गोमती नदी का बेहतर व्यू दिखाई देगा और लोग यहाँ रुककर इसका लुत्फ उठा सकेंगे।

एलईडी लाईट्स से जगमगाएगा रिवर फ्रंट

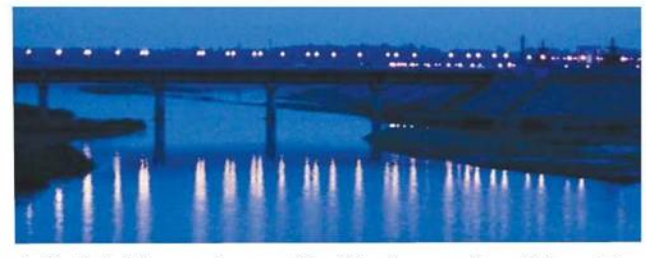

गोमती नदी के दोनों तरफ हाई मास्ट एलईडी लाईटिंग की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए पोल लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। कई स्थानों पर लाईट भी लगाई जा रही हैं। दोनों ही तरफ पार्क बनाने का काम भी प्रगति पर है। गांधी बैराज के पास फूलों का पार्क भी बनाया जा रहा है। इस पार्क में 33 प्रजातियों के फूल और अन्य पौधे रोपे गए हैं। डायफ्राम वाल के किनारों की मिट्टी पाटकर तटों को खूबसूरत बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है।

वॉटर स्पोर्ट्स रहेगा प्रमुख आकर्षण

गोमती नदी न सिर्फ प्रदेश की राजधानी का गर्व बनने के लिए तैयार हो रही है, बल्कि यह लोगों के मनोरंजन का एक अनूठा आकर्षण भी होगी। उच्च स्तरीय वाटर स्पोर्ट्स का मजा लेने के लिए प्रदेशवासियों को अब मुम्बई, गोवा आदि की तरफ नहीं ताकना पड़ेगा। उन्हें इसका आनन्द अब लखनऊ में ही मिल जायेगा। इसके किनारों के सुंदरीकरण योजना के तहत किनारों पर गोवा और मुंबई की तर्ज पर वॉटर स्पोर्ट्स बनाए जायेंगें। जिसमें मोटर वोट, पैरासेलिग, राफ्टिंग आदि की गतिविधियों का आनन्द आप लखनऊ में भी ले सकेंगे वहीं नौकायन प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किए जा सकेंगे।

जुहू-चौपाटी जैसा दिखेगा गोमती का किनारा

अब जुहू चौपाटी जाने का लुत्फ उठाने के लिए मुंबई जाने की जरूरत नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशन में गोमती नदी के किनारे जुहू चौपाटी की तरह दिखने लगेंगे। कंक्रीट की दीवार बनाने का काम पूरा कर लिया गया है। जल्द ही तटों के सुंदरीकरण का काम शुरू हो जायेगा। गोमती में गन्दे पानी को आने से रोकने के लिए इसके सामान्तर रबर डैम बनाया जायेगा ताकि कुकरैल एवं अन्य गंदे नालों का पानी इसमें न आने पाये। गोमती नदी के पानी को साफ एवं स्वच्छ बनाये रखने के लिए शारदा/शारदा सहायक नहर को इससे जोड़कर पानी की आपूर्ति की जायेगी एवं पानी साफ करने वाले जीवाणु भी छोड़े जायेंगे। सिंगापुर एवं मलेशिया की नदियों को बनाने वालों से ही इसका डिजाइन तैयार करवाया जायेगा। गोमती नदी के किनारे पर्यटक स्थल का भी विकास किया जायेगा।

गोमती के किनारे खूबसूरत नज़ारे

शहर की बदलती तस्वीर अब दिखने लगी है। नवाबी शहर वाले हिस्से में नए रंग भरे जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने गोमती नदी को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया है। सम्बन्धित अधिकारियों को लखनऊ में गोमती नदी के सौन्दर्यीकरण से सम्बन्धित सभी अवशेष कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गये हैं। राज्य सरकार गोमती को अविरल तथा स्वच्छ बनाने के लिए कटिबद्ध है। गोमती नदी के सौन्दर्यीकरण परियोजना के अन्तर्गत गोमती के रिवर फ्रन्ट को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने हेतु कंसल्टेन्ट उस संस्था को नियुक्त किया गया है, जिसने सिंगापुर, मलेशिया में रिवर फ्रण्ट का डिजाइन किया था। रिवरफ्रन्ट परियोजना में हरियाली, साइकिल ट्रैक, जॉगिंग ट्रैक, स्पोर्ट्स ज़ोन जैसी आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ स्थानीय संस्कृति का समावेश भी किया गया है। गोमती को सदानीरा बनाए रखने के लिए इसे शारदा/शारदा सहायक नदी से जोड़ा जाएगा। गोमती के किनारों का नज़ारा तो अभी से दिखने लगा है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करके गोमती के किनारों को अद्भुत और अविस्मरणीय रूप देने का कार्य अपने चरम पर है। आने वाले दिनों में यह कार्य जहाँ पर्यटन को बढ़ावा देगा, वहीं रोजगार की असीम संभावनाएं बढ़ाएगा।

गोमती की तर्ज पर होगा इन नदियों व झीलों का विकास

मथुरा वृन्दावन स्थित यमुना नदी के घाटों का होगा नवीनीकरण एवं सौन्दर्यीकरण

वृन्दावन में मंदिरों के दर्शन हेतु पूरे वर्ष श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगा रहता है। यहां यमुना नदी के किनारे श्रद्धालुओं के स्नान करने हेतु एक मात्र पक्का घाट जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। मथुरा-वृंदावन स्थित यमुना नदी के घाटों का विस्तार, नवीनीकरण व सुंदरीकरण कराया जाएगा। राज्य सरकार ने इसके लिए 177.81 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार कराई है। कैबिनेट की बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दे दी गई है।

गोमती की तर्ज पर वाराणसी में वरुणा नदी भी संवारी जाएगी

लखनऊ की गोमती नदी की तर्ज पर वाराणसी में वरुणा नदी संवारी जाएगी। इसके लिए 20165.65 लाख रुपये से नदी का चैनलाइजेशन व तटीय विकास कराया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दे दी गई। बीते 60 वर्षों से सफाई न होने के कारण वरुणा नदी गंदे नाले के रूप में तब्दील हो गई है, जिससे गंगा नदी भी प्रदूषित हो रही है। इसके मद्देनजर मुख्यमंत्री ने वरुणा नदी को पुनर्जीवित करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में इस नदी को वाराणसी शहरी क्षेत्र में 10.3 किमी. की लंबाई में चैनलाइजेशन एवं तटीय विकास की परियोजना को मंजूरी दी गई है।

रामपुर में झील का सुंदरीकरण

नदियों व झीलों के सौंदर्यीकरण को हमेशा से प्राथमिकता देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने नगर पालिका परिषद रामपुर में जेल रोड़ झील के सुंदरीकरण के लिए 21.52 करोड़ रुपये के पुनरीक्षित व्यय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। झील के सुंदरीकरण प्रोजेक्ट की लागत निर्धारित एस्टीमेट से अधिक होने के कारण कैबिनेट की मंजूरी जरूरी थी।

विदेशी भी कर रहे हैं गोमती रिवर फ्रन्ट की सराहना

उत्तर प्रदेश के सिंचाई मंत्री श्री शिवपाल सिंह यादव ने लखनऊ में गोमती रिवर फ्रन्ट पर चल रहे निर्माण कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्यों को तीव्र गति से सरकार द्वारा निर्धारित समय के अन्दर पूरा किया जाये। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगीं।

गोमती पर होगा खास...

कार पार्क : 300 कारों के लिए पार्किंग।

वेटलैंड : पक्षियों के लिए प्राकृतिक आवास

प्लाजा : खरीदारी के लिए स्थान

मल्टी परपज कोर्ट : लोगों के बैठने व मनोरंजन का स्थान

खेल का मैदान : खेल उपकरणों सहित बच्चों के खेलने की जगह

गोमती फ्लावर शो : फूलों की विभिन्न प्रजातियों का बागीचा

वाटर शो व निर्मल ज्योति : रंगीन फव्वारों का शो

एंपीथियेटर : खुले आसमां के नीचे थियेटर गतिविधियों के लिए स्थान

फूट कोर्ट व हाट : सामान को बेचने के लिए कारीगरों व खानपान बनाने वालों के लिए खुला बाजार

फुटबॉल व क्रिकेट खेलने की जगह : छोटे स्तर के मैचों का आयोजन स्थल